योग हैअग्नि समान
इसमें ही जलते सारे पाप
बाप की याद से पुण्य आत्मा बनना
पाप आत्माओं से लेन-देन नही करना
पुरानी दुनिया से वैराग्य रखना
सच्चा पवित्र ब्राह्मण बन
यज्ञ की करनी सम्भाल
वाह ड्रामा की स्मृति से बनना खुशनुमा
ड्रामा के हर दृश्य में है कल्याण समाया
शांति की शक्ति से होती सहज मनसा सेवा
जहाँ रहती शांति, वहाँ रहती संतुष्टता

ॐ शांति!!!
मेरा बाबा!!!